(a) whether it is a fact that the Kerala Labour Minister has urged the Central Government to meet 50 per cent of the actual cost of operating the calculation adjudication and enforcement machineries by the labour departments of respective States; and

(b) if so, the details thereof and Government's reaction thereto?

THE MINISTER OF LABOUR AND WELFARE (SHRI RAM VILAS PASWAN): (a) and (b) The Labour Minister of Kerala has proposed that the Government of India should meet the cost of strengthening the conciliation, adjudication and enforcement Machineries at best to the extent of 50 per cent of the actual cost. There is no scheme at present with the Central Government to accommodate such a request.

Setting up of Consumer Courts in the country

267. SHRI HARVENDRA SINGH HANSPAL: Will the Minister of FOOD AND CIVIL SUPPLIES be pleased to state:

(a) whether the Associated Chambers of Commerce and Industry has called for immediate setting up of "fora" popularly known as Consumer Courts in all the districts for the redressal of grievances of consumers as envisaged in the Consumer Protection Act, 1986;

(b) if so, whether Government propose to set up the Consumer Courts in all the districts in view of call by ASSOCHAM; and

(c) if so, the reaction of Government thereto?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FOOD AND CIVIL SUPPLIES (SHRI RAM PUJAN PATEL): (a) Yes, Sir.

(b) and (c) Under Consumer Protection Act, 1986, the responsibility of setting up Consumer Disputes Redressel Forum (to be known as District Forums) in each district, rests with the State Governments and UT Administrations. The Central Government has already written to all the States/UTs to expedite the setting up of District Forums in each districts.

थोक एवं खुदरा मूल्य सूचकांक में वृद्धि

208. डा० अबरार अहमद खान: क्या खाद्य और नागरिक पूर्ति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) नवम्बर, 1989 के अन्त में आवश्यक खाद्य वस्तुओं के खुदरा और थोक मूल्य सूचकांक अलग-अलग क्या थे और 30 अप्रैल, 1990 की स्थिति के अनुसार इन वस्तुओं का मूल्य सूचकांक क्या है ; इन पांच महीनों के दौरान किन-किन वस्तुओं के मूल्यों में वृद्धि हुई है और किन-किन वस्तुओं के मूल्यों में कमी आई है और यह वृद्धि या कमी कितनी-कितनी मात्रा में हुई है ,

(ख) उपरोक्त मूल्यों और थोक एवं खुदरा मूल्य सूचकांकों में वृद्धि या कमी होने के क्या कारण थे और बढ़ी हुई कीमतों को कब तक कम कर दिया जाएगा और सरकार द्वारा इस संबंध में क्या कदम उठाए जा रहे हैं ; और

(ग) 30 अप्रैल, 1990 को समाप्त होने वाले पांच महीनों के दौरान भवन निर्माण के उपयोग में आने वाली सामग्री जैसे ईंट, सीमेंट, लोहा, इस्पात पत्थर चूना, लकड़ी बिजली का समान और श्रम के मूल्यों में कितनी वृद्धि या कमी हुई है और इसके क्या कारण हैं ?

खाद्य और नागरिक पूर्ति मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री राम पूजन पटेल) : (क) एक विवरण अनुपत्र में दिया गया है, जिसमें 25-11-1989 तथा 14-4-1990 को चुनी वस्तुओं के थोक मूल्य सूचकांक, इस अवधि के दौरान प्रत्येक वस्तु के मामले में उनमें हुई वृद्धि तथा कमी और चुनी वस्तुओं के नवम्बर, 1989 तथा फरवरी, 1990 में खुदरा मूल्य सूचकांक, इन तीन महीनों के दौरान प्रत्येक वस्तु के मामले में उनमें हुई वृद्धि या कमी दर्शाई गई है (देखिए परिशिष्ट CLIV, अनुपत्र सं० 15)